

महत्वपूर्ण एवं खास

लायनेस तलब दिव्य ऊर्जा, रायगढ़ द्वारा मधुमेह

जागरूकता अभियान हेतु योगा क्लास

न्याय साक्षी/ रायगढ़। मधुमेह की बीमारी भारतवर्ष में बहुत तेजी से बढ़ती जा रही है और महामारी का रूप लेती जा रही है। इस योग से निदान का ज्ञान होना बहुत जरूरी है। दवाइयाँ तो सब लेते हैं लेकिन अगर हम आपने खानापान और दिनचर्या पर ध्यान दें और थोड़ा बदलाव करें तो मधुमेह से भी राहत मिल सकती है।



इसी को ध्यान में रखते हुए चेयरपर्सन लायनेस सुमिता पांडे के नेतृत्व में तीन दिवसीय कार्यशाला का आयोजन दुर्गा चौक पर निखार ब्लूटी पार्लर में आयोजित किया गया। जिसमें योग के कठुआसन जिनसे फायदा होता है कि जानकारी योग प्रशिक्षक सविता के द्वारा दी गई साथ ही उन्होंने प्राणायाम भी करवाये। लायनेस अध्यक्ष अनीता कपूर द्वारा डाटट चार्ट की जानकारी द्वारा दी गई। लायनेस बीबीता शर्मा ने एलोविंग जैल के प्रयोग के फायदे समझाये। चेयरपर्सन सुमिता पांडे द्वारा मधुमेह से संबंधित प्रश्नोत्तरी में पुरस्कार दिये गये। सविता ने योग जागरूकता हेतु पुस्तकों का वितरण किया। शिविर का समापन दीवाली मिलन के साथ पृष्ठक होटल में 18 नवंबर को किया गया। कार्यक्रम में लॉ सुमिता पांडे, लॉ बविता शर्मा, अध्यक्ष लॉ अनीता कपूर, लॉ बबली कुलवेदी, लॉ सविता स्वर्णकारी, योग प्रशिक्षक - सविता गाड़ीया, सभी प्रशिक्षण हेतु आई हुई महिलाओं व पदाधिकारीया, सदस्यों का सराहनीय सहयोग प्राप्त हुआ व अन्य सभी सदस्यों की सराहनीय उपस्थिति रही।

सरकार बचाने रखे गए गहरे घड़यंत्र : भूपेश बघेल

एसआईटी का गठन कर उच्च न्यायालय के न्यायाली से हो निष्पक्ष जांच

रायपुर (आरएनएस)। मीडिया में लगातार जो स्टिंग उजागर हुए, उसने राज्य सरकार की कलई और झूठ का पर्दाफाश कर दिया है। यह सबित हो गया है कि राज्य सरकार ने सरकार बचाए रखने के लिए घड़यंत्र रचा और किसी को भी नहीं बछा। राज्य सरकार के अधिकारी भाजपा के एंजेंटों की तरह काम कर रहे हैं। 9 साल पहले बनी कंसोल इंडिया नाम की कंपनी ने बड़ा कारोबार खड़ा कर लिया है। कांग्रेस की मांग है कि तत्काल एसआईटी को गठन कर उच्च न्यायालय के किसी न्यायालीषी की देखरेख में जांच की जाए। उक आरोप आज कांग्रेस मुख्यालय राजीव भवन में आयोजित एक प्रेसवार्ता को संबोधित करते हुए पीसीसी प्रमुख भपेंथ बघेल ने लगाया। श्री बघेल ने कहा कि राज्य सरकार और उनके अधिकारी लगातार ब्लैकमेलिंग का कारोबार कर रहे हैं। राज्य के मुखिया और उनके अधिकारियों के निशाने पर न केवल मैं (भपेंथ बघेल) हूं बल्कि पूरी कांग्रेस पार्टी और छत्तीसगढ़ के पक्कार भी हूं। मीडिया में जो स्टिंग उजागर हुए, उसने सरकार की कलई खोल दी है। यह सबित हो गया कि भाजपा ने अपनी सरकार बचाने के लिए गहरे घड़यंत्र रखे और किसी को नहीं बछा। स्टिंग ऑपरेशन से साफ हो गया कि दो वरिष्ठ अधिकारी लगातार ब्लैकमेलिंग का काम करते रहे और भाजपा के एंजेंट के तहत काम करते रहे। लिहाजा इन अधिकारियों को तत्काल शासकीय कार्य से मुक्त किया जाए।

न्याय साक्षी/रायगढ़। पत्रपाली स्थित जिंदल स्टील एण्ड पावर लिमिटेड में काम करने वाले अधिकारी व कर्मचारियों ने आज सुबह अचानक उद्योग का काम काज ठप्प करते हुए मुख्य गेट के सामने धरना प्रदर्शन किया और अपनी जायज मांगों के लिए प्रबंधन के खिलाफ नारेबाजी की। बीते तीन सालों से जिंदल के अधिकारी व कर्मचारियों को न तो वेतन वृद्धि का लाभ मिला है और न ही समय पर मिलने वाले बोनस पर कोई विचार किया जा रहा है। इतना ही नहीं प्रबंधन यहां काम करने वाले वरिष्ठ अधिकारी कर्मचारियों को पदान्वित का भी लाभ नहीं दे रहा है, जिससे नाराज होकर आज अपने अधिकारी कर्मचारियों ने एक जुटा दिखाते हुए उद्योग के मुख्य द्वार के सामने घंटों प्रदर्शन करते हुए

अपनी जायज मांगों को जल्द से जल्द पूरा करने के लिए प्रबंधन के उपर दबाव बनाया। लगभग 4 घंटे तक चले इस प्रदर्शन के बाद प्रबंधन ने आनन्द-फनन में नाराज कर्मचारियों को यह कहकर मनाया कि जल्द ही उनकी जायज मांगों को लिए पहल की जाएगी

और वे जल्द ही काम काज में लौटे ताकि प्रबंधन उनकी सूचना अपने वरिष्ठ अधिकारियों को दे सकें।

जानकारी मिलने तक जिंदल उद्योग प्रबन्धन के खिलाफ नाराज होकर आज आर भवन के साथ आयोजित किया जाए। साथ ही कार्यरत जूनियर्स कर्मचारियों से एच एवं ईंकोड से हटाकर जैएसपीएल कोड में रखा जाए, वहाँ 8 घण्टों की सेवा के बाद उन्हें ओवरटाइम की सुविधा मिले। इन मांगों के साथ आंदोलनकारियों ने एच आर भवन के बाहर जमा करीब 5 सौ जूनियर्स को प्रबंधन प्रमुख ने उनके द्वारा दिया गया जापन लिया। जापन में मांगी गई मांग करते हुए हड़ताल लिया। जापन में मांगी गई मांगे इस प्रकार है।

जिसमें 2017-18 का इंक्रीमेंट को लेकर असन्तुष्ट जूनियर्स को सुधार के बाद 15 प्रतिशत से ऊपर इंक्रीमेंट दिया जाए। योग्यता और कार्यकुशलता के आधार पर न्यूनतम वेतन 24 हजार रु प्रतिमाह किया जाए। साथ ही कार्यरत जूनियर्स कर्मचारियों से आंदोलन शुरू कर दिया जाएगा। जिसके लिए उनके कथनानुसार जिंदल उद्योग प्रबंधन ही जिम्मेदार होगा।

यहां यह बताना लाजमी होगा कि आर्थिक मंदी की आड में जिंदल स्टील एण्ड पावर लिमिटेड रायगढ़ व जैएसपीएल तमनार से हजारों कर्मचारियों के साथ साथ सैकड़ों अधिकारियों के बाहर का रास्ता दिखाया जा चुका है। साथ ही कार्यरत जूनियर्स कर्मचारियों से आंदोलन काम करने वाले अधिकारी कर्मचारियों को न तो बोनस दिया जा रहा है और न ही वेतन वृद्धि सहित प्रमोशन का लाभ देना बंद सा कर दिया जाए। इसलिए धीरे-धीरे जिंदल उद्योग में काम करने वाले अधिकारी कर्मचारी अब प्रबंधन के खिलाफ एक जुटा दिखाते हुए सड़क पर उतर रहे हैं।

जैएसपीएल के खिलाफ कर्मचारियों हुए लामबंद

गेट के सामने प्रदर्शन करते हुए प्रबंधन का लगाए आरोप, वेतनवृद्धि तथा बोनस नहीं मिलने से नाराज है कर्मचारी

न्याय साक्षी/रायगढ़। पत्रपाली स्थित जिंदल स्टील एण्ड पावर लिमिटेड में काम करने वाले अधिकारी व कर्मचारियों ने आज सुबह अचानक उद्योग का काम काज ठप्प करते हुए मुख्य गेट के सामने धरना प्रदर्शन किया और अपनी जायज मांगों के लिए प्रबंधन के खिलाफ नारेबाजी की। बीते तीन सालों से जिंदल के अधिकारी व कर्मचारियों को न तो वेतन वृद्धि का लाभ मिला है और न ही समय पर बोनस पर कोई विचार किया जा रहा है। इतना ही नहीं प्रबंधन यहां काम करने वाले वरिष्ठ अधिकारी कर्मचारियों को पदान्वित का भी लाभ नहीं दे रहा है, जिससे नाराज होकर आज आर भवन के साथ आयोजित किया जाए। साथ ही कार्यरत जूनियर्स कर्मचारियों से एच एवं ईंकोड से हटाकर जैएसपीएल कोड में रखा जाए, वहाँ 8 घण्टों की सेवा के बाद उन्हें ओवरटाइम की सुविधा मिले। इन मांगों के साथ आंदोलनकारियों ने एच आर भवन के बाहर जमा करीब 5 सौ जूनियर्स कर्मचारियों को प्रबंधन प्रमुख ने उनके द्वारा दिया गया जापन लिया। जापन में मांगी गई मांगे इस प्रकार है।

वापस ले लिया है। खबर लिखे जाने तक सभी जूनियर्स अपने कामों पर वापस लौटे ताकि प्रबंधन उनकी सूचना अपने वरिष्ठ अधिकारियों को दे सकें। जानकारी मिलने तक जिंदल उद्योग प्रबन्धन के होश उड़ गए थे। आनन्द फनन में एच आर भवन के बाहर जमा करीब 5 सौ जूनियर्स कर्मचारियों ने पहुंचे प्रबंधन प्रमुख ने उनके द्वारा दिया गया जापन लिया। जापन में मांगी गई मांगे इस प्रकार है।

जिसमें 2017-18 का इंक्रीमेंट को लेकर असन्तुष्ट जूनियर्स को सुधार के बाद 15 प्रतिशत से ऊपर इंक्रीमेंट दिया जाए। योग्यता और कार्यकुशलता के आधार पर न्यूनतम वेतन 24 हजार रु प्रतिमाह किया जाए। साथ ही कार्यरत जूनियर्स कर्मचारियों से आंदोलन शुरू कर दिया जाएगा। जिसके लिए उनके कथनानुसार जिंदल उद्योग प्रबंधन ही जिम्मेदार होगा। यहां यह बताना लाजमी होगा कि आर्थिक मंदी की आड में जिंदल स्टील एण्ड पावर लिमिटेड रायगढ़ व जैएसपीएल तमनार से हजारों कर्मचारियों के साथ साथ सैकड़ों अधिकारियों के बाहर का रास्ता दिखाया जा चुका है। साथ ही कार्यरत जूनियर्स ही कार्यरत जूनियर्स कर्मचारियों से आंदोलन काम करने वाले अधिकारी कर्मचारी अब प्रबंधन के खिलाफ एक जुटा दिखाते हुए सड़क पर उतर रहे हैं।

तिल्दा स्टेशन का नाम अब तिल्दा-नेवरा

नबी के आने के दिन पर मना जरूर

बिलासपुर (आरएनएस)। रायपुर रेल मंडल के तिल्दा स्टेशन का नाम बदलने वाला है। अब यह तिल्दा-नेवरा स्टेशन कहलाएगा। बुधवार को डिल्टी चीफ कमर्शियल मैनेजर के बाद नाम बदलने तक तिल्दा नेवरा के लिए एक दिसंबर से लागू होगा। इस स्टेशन का नाम बदलने की मांग को खेले जाने वाले नाम चस्पा हो जाएगा। इसके स्थानीय लोग लंबे समय से कर रहे थे। अलावा रिजर्वेशन में भी यहां नाम लिखाकर आएगा। हालांकि कोड टीएलडी ही लिखाएगा। द्वारा यह मुद्दा रेलवे प्रशासन के सामने लागू होगी।

इस पर अब मुहर लग गई है। साथ ही इसकी जानकारी सभी सीएसएम, एसएम, सीआरएस, सीटीआई, सीनियर टीआइए व को भेजी गई है। एक दिसंबर वाला नवाज इन पक्षों